

“मीठे बच्चे – चैतन्य अवस्था में रह बाप को याद करना है, सुन्न अवस्था में चले जाना या नींद करना – यह कोई योग नहीं है”

प्रश्न:- तुम्हें आंखे बन्द करके बैठने की मना क्यों की जाती है?

उत्तर:- अगर तुम आंख बन्द करके बैठेंगे तो दुकान का सारा सामान ही चोर चोरी करके ले जायेंगे। माया चोर बुद्धि में कुछ भी धारणा होने नहीं देगी। आंख बन्द करके योग में बैठेंगे तो नींद आ जायेगी। पता ही नहीं चलेगा इसलिए आंखे खोलकर बैठना है। कामकाज करते बुद्धि से बाप को याद करना है। इसमें हठयोग की बात नहीं है।

मीठे-मीठे सिकीलथे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।

धारणा के लिए मुख्य सार:-

- 1) गृहस्थ व्यवहार सम्भालते हुए बुद्धियोग बाप के साथ रखना है। गफलत नहीं करनी है। पवित्रता की धारणा से अपना और सर्व का कल्याण करना है।
- 2) याद की यात्रा और पढ़ाई में ही कमाई है, ध्यान दीदार तो घूमना है इसलिए उससे कोई फायदा नहीं। जितना हो सके सुजाग हो, बाप को याद कर अपने विकर्म विनाश करने है।

वरदान:- साथी को सदा साथ रख सहयोग का अनुभव करने वाले कम्बाइन्ड रूपधारी भव सदा “आप और बाप” ऐसे कम्बाइन्ड रहो जो कोई भी अलग न कर सके। कभी अपने को अकेला नहीं समझो। बापदादा अविनाशी साथ निभाने वाले आप सबके साथी हैं। बाबा कहा और बाबा हाजिर है। हम बाबा के, बाबा हमारा। बाबा आपकी हर सेवा में सहयोग देने वाले हैं सिर्फ अपने कम्बाइन्ड स्वरूप के रूहानी नशे में रहो।

स्लोगन:- सेवा और स्व-उन्नति दोनों का बैलेन्स हो तो सदा सफलता मिलती रहेगी।